

६. कालिदास का प्राणीप्रेम

प्रस्तावना

* मोहन राकेश का जन्म पंजाब के अमृतसर में सन 1925 को हुआ था। हालांकि उनका असली नाम मदन मोहन गुगलानी था, पर उनकी दीदी ने उनका नाम मदन मोहन राकेश रखा था। बाद में वह मोहन राकेश के नाम से जाने गए। उनकी रचनाओं में 'आधे अधूरे', 'लहरों के राजहंस', 'आषाढ़ का एक दिन' जैसे नाटक, 'अंडे के छिलके', 'बीज नाटक', 'आईने के सामने' जैसे एकांकी तथा 'सारा आकाश', 'आखरी चट्टान तक' आदि जैसी गद्य रचनाएँ हैं।

यह पाठ उनकी रचना 'आषाढ़ का एक दिन' का केवल एक नाट्य अंश है। जिसके पात्र हैं, मल्लिका, कालिदास, दन्तुल और अम्बिका। मल्लिका और कालिदास एक दूसरे से प्रेम करते हैं। दन्तुल जो एक उज्जैन राज्य के राजपुरुष है और अम्बिका मल्लिका की माँ है। इस पाठ की शुरुआत होती है जिसमें कालिदास एक हरिणशावक यानि कि हिरन के बच्चे को लेकर आते हैं जो घायल है, जिसका शिकार दन्तुल ने किया है। कालिदास उस हिरन के बच्चे को बचाने के लिए उसकी मरहम पट्टी करते हैं। जब दन्तुल उसे लेने को आता है, तब कालिदास और मल्लिका बच्चे को देने का इनकार करते हैं। दन्तुल से हिरण के बच्चे को बचाने के लिए कालिदास और मल्लिका क्या तर्क करते हैं और आखिर में हिरन के बच्चे का क्या होता है यह हम इस पाठ के माध्यम से देखते हैं, जिसका नाम है 'कालिदास का प्राणी प्रेम' ।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

१. हरिणशावक इनमें से किसके बाणों से घायल हुआ था ?

- (अ) कालिदास
- (ब) मल्लिका
- (क) दन्तुल
- (ड) अम्बिका

२. कालिदास के अंगों पर का लेप लगाना चाहता है ।

- (अ) हवाई
- (ब) तेल
- (क) मरहम
- (ड) धूत

३. ' मेरी वेश – भूषा ही इस बात का परिचय देती है कि मैं यहाँ का निवासी नहीं हूँ । - यह वाक्य कौन किससे कहता है ?

- (अ) कालिदास दन्तुल से
- (ब) दन्तुल कालिदास से
- (क) मल्लिका दन्तुल से
- (ड) दन्तुल मल्लिका से

४. उज्जयिनी की राज्यसभा का प्रत्येक व्यक्ति कालिदास को इसलिए जानता है ?

- (अ) ऋतुसंहार के लिए
- (ब) गीतसंहार के लिए
- (क) संगीतसंहार के लिए
- (ड) नाट्यसंहार के लिए

२. निम्न लिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. कालिदास कौन थे ?

उत्तर : कालिदास संस्कृत भाषा के महान साहित्यकार थे ।

२. हरिणशावक किसके बाणों से घायल हुआ था ?

उत्तर : हरिणशावक दन्तुल के बाणों से घायल हुआ था ।

३. कालिदास हरिण को कहा ले गये ?

उत्तर : कालिदास हरिण को मल्लिका के घर ले गये ।

४. अंत में दन्तुल ने कालिदास को कैसे पहचाना ?

उत्तर : मल्लिका के बताए जाने पर दन्तुल ने कालिदास को पहचाना ।

३. निम्न लिखित प्रश्नों के दो- तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

१. माँ के रुष्ट होने के पीछे मल्लिका क्या अनुमान करती है ?

उत्तर : मल्लिका की माँ को मल्लिका और कालिदास की मित्रता पसंद नहीं थी । मल्लिका कालिदास के साथ बाहर गई थी और बरसात में भीगकर लौटी थी । इसलिए मल्लिका अनुमान लगाती है कि इसी वजह से उसकी माँ रुष्ट है ।

२. दन्तुल कौन था ? वह मल्लिका के घर कैसे पहुँचा ?

उत्तर : दन्तुल एक राजपुरुष था । अपने बाणों से उसने हरिणशावक का शिकार किया था । हरिणशावक को लेकर कालिदास मल्लिका के घर आए थे । मल्लिका के घर तक हरिणशावक के शरीर से टपकते खून के निशान बन गए थे । उसी के

सहारे दन्तुल मल्लिका के घर पहुँचा ।

३. मल्लिका ने दन्तुल को हरिणशावक के लिए हठ न करने के लिए क्यों कहा ?

उत्तर : मल्लिका कालिदास कि प्राणिओ के प्रति संवेदना को जानती थी । वो दन्तुल से कहती है कि तुम्हारे लिए हरिणशावक को पाना अधिकार है और कालिदास के लिए वह संवेदना का प्रश्न है । वह जानती थी कालिदास निःशस्त्र होते हुए भी दन्तुल के शस्त्र की चिंता नहीं करेगे । इसलिए वह दन्तुल को हरिणशावक के लिए हठ न करने को कहती है ।

४. कालिदास दन्तुल को अपराधी न मानने के लिए क्या तक देता है ?

उत्तर : कालिदास दन्तुल को अपराधी न मानने के लिए यह तर्क देता है कि दन्तुल ने जिस प्रदेश में हरिणशावक का शिकार किया है वहाँ हरिणों का शिकार करना अपराध है । किन्तु दन्तुल बाहर से आये है और यहाँ के नियम का उसको ज्ञान नहीं था इसलिए वह अपराधी नहीं है ।

५. उज्जयिनी की राज्यसभा कवि कालिदास का सम्मान किस तरह करना चाहती है ?

उत्तर : उज्जयिनी के राजा ने स्वयं कालिदास रचित ऋतुसंहार पढ़ा है और उसकी प्रशंसा की है । राजसभा का प्रत्येक व्यक्ति कवि कालिदास को जानता है । इसलिए उज्जयिनी की राजसभा कवि कालिदास का सम्मान राजकवि का आसन देकर करना चाहती है ।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. घायल हरिणशावक को बचाने के लिए कालिदास ने क्या क्या किया ?

उत्तर : घायल हरिणशावक अपनी जान बचाने के लिए कालिदास की गोद में आ जाता है । कालिदास उसे बाहो में लेकर पुचकारताहुआ मल्लिका के घर लाता है । वह अपनी उँगलियों का कोमल स्पर्श देकर घायल हरिणशावक की पीड़ा को कम करने की कोशिश कर रहे है । मल्लिका के घर उसे दूध भी पिलाते है । कालिदास बच्चे को अपनी छाती से लगाकर थपथपाते है । दन्तुल ने हरिणशावक को अपनी संपत्ति बताकर के जाने की हठ की तब कालिदास ने उसे पार्वत्य – भूमि की संपत्ति बताकर ले जाने से साफ मना कर दिया । इस प्रकार हरिणशावक को बचाने के लिए कालिदास ने हर तरह का प्रयत्न किया ।

२. कालिदास हरिणशावक को क्यों बचाना चाहते हैं ?

उत्तर : कालिदास प्राणी – प्रेमी व्यक्ति थे । उसे प्राणियों से अत्यंत लगाव था । वह जिस प्रदेश में रहते थे वहां मनुष्य और प्राणी – पक्षी में कोई अंतर नहीं है । प्राणियों से अत्यंत प्रेम के कारण ही आहत हरिणशावक को देखकर वह भी आहत हो गये हैं । वे मानते हैं कि पशु – पक्षी हमारे मित्र हैं हमें उसकी रक्षा करनी चाहिए । इसलिए कालिदास हरिणशावक को बचाना चाहते हैं ।

३. हरिणशावक के लिए कालिदास और दन्तुल के बीच में हुए संवाद को अपने शब्दों में लिखिए :

उत्तर : कालिदास घायल हरिणशावक को लेकर मल्लिका के घर आता है । उसके पीछे पीछे राजपुरुष दन्तुल हरिणशावक के शरीर से टपके लहू के निशान के सहारे मल्लिका के घर तक पहुंचता है और कालिदास से हरिणशावक को मांगता है । इस बात को लेकर दोनों के बीच संवाद होता है ।

दन्तुल कालिदास से यह कहता है कि जो हरिणशावक को उठा लाये हैं वह उसकी बाण से घायल हुआ है । इसलिए वह उसकी संपत्ति है । कालिदास दन्तुल को उत्तर देते हुए कहते हैं कि जिस प्रदेश में उसने हरिणशावक का शिकार किया है वहां हरिणों का शिकार करना अपराध है । लेकिन वह बाहर से आये हैं इसलिए कालिदास उसे अपराधी नहीं मानती । तभी दन्तुल कहते हैं कि राजपुरुषों के अपराध का निर्णय गाववासी करेंगे । इस तरह वह अपने अधिकारों में भय दिखाता है , और हरिणशावक को लौटा देने की जिद करता है । अंत में कालिदास हरिणशावक को पार्वत्य भूमि की संपत्ति बताकर उसे बाहों में लिए अपने घर की ओर जाता है ।

५. आशय स्पष्ट कीजिए :

१. तुम्हारे लिए प्रश्न अधिकार का है, उनके लिए संवेदना का ।

उत्तर : जब राजपुरुष दन्तुल हरिणशावक को ले जाने की जिद करता है तब मल्लिका दन्तुल को यह वाक्य कहती है । दन्तुल कहता है कि हरिणशावक उसके बाण से घायल हुआ है इसलिए उस पर उसका अधिकार है । मल्लिका कहती है कि कालिदास प्राणी प्रेमी है । उसके लिए पशु – पक्षी उसके मित्र हैं प्राणियों के प्रति उसे संवेदना है । इसलिए मल्लिका दन्तुल को समझाती है कि आपके अधिकार के आगे उसकी संवेदना बहुत बड़ी है ।

२. यह हरिणशावक पार्वत्य – भूमि कि संपत्ति है, राजपुरुष और ईस पार्वत्य – भूमि के निवासी हम ईसके सजातीय है ।

उत्तर : राजपुरुष दन्तुल हरिणशावक को अपनी संपत्ति बताते हुए लौटा ने की मांग करता है तब कालिदास उसे कहते है कि यह हरिणशावक पार्वत्य – भूमि कि संपत्ति है । और भूमि पर रहनेवाले हम ईसके सजातीय है । यानि कि मनुष्य और प्राणियों मे कोई अंतर नही है । यहा मनुष्य और प्राणी दोनों को मारना अपराध है ।

६. शब्द का अर्थ बताकर वाक्यों मे प्रयोग कीजिए :

१ . आस्तरण – बिछोना, गद्दा

वाक्य : कालिदास ने मल्लिका को कहा ईस हरिणशावक को आस्तरण पर सुला दो ।

२. रुष्ट – क्रोधित

वाक्य : मल्लिका कालिदास के बाहर गई थी । ईसलिए मल्लिका की माँ बहुत रुष्ट थी ।

३. दूर्वा – दुब, एक प्रकार की घास

वाक्य : कालिदास हरिणशावक को दूर्वा खिलता है ।

४. आखेट – शिकार

वाक्य : पार्वत्य – भूमि मे हरिणो का आखेट करना अपराध है ।

७. विशेषण बनाईए :

शरीर - शारीरिक

गाँव - गाँवार

प्रदेश - प्रादेशिक

दिन - दैनिक

पीड़ा - पीड़ित

८. भाववाचक संज्ञा बनाईए :

कोमल - कोमलता

बहुत - बहुतायत

रुष्ट - रुष्टि

९. दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए :

- लहू - खून, रक्त
हरिण - मृग, हिरन
ऋतु - रुत, मौसम
दूध - दुग्धगधगध ,पय

१०. सविग्रह समास भेद बताईए :

समास	विग्रह	प्रकार
१ .अनुसरण	पीछे चलना	अव्यविभाव समास
२. हरिणशावक	हरिण का शावक	तत्पुरुष समास
३. प्रतिदिन	हर दिन	अव्यविभाव समास
४. निः शस्त्र	शस्त्र रहित	तत्पुरुष समास